हिन्दी पखवाड़े का समापन समारोह 2024

30.09.2024

भा.वा.अ.शि.प - वन आनुवंशिकी एवं वृक्ष प्रजनन संस्थान, कोयम्बत्तूर

भा.वा.अ.शि.प - वन आनुवंशिकी एवं वृक्ष प्रजनन संस्थान, कोयम्बत्तूर में 30 सितम्बर 2024 को हिन्दी पखवाड़े का समापन समारोह आयोजित किया गया। हिन्दी के प्रचार-प्रसार हेतु 14-28 सितंबर तक हिन्दी पखवाड़ा समारोह मनाया गया। 14-15 सितंबर को राजभाषा विभाग द्वारा आयोजित अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन में भाग लेकर समारोह की शुरुआत की गई। उसके बाद संस्थान में विभिन्न प्रतियोगिताओं जैसे हिन्दी प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता, हिन्दी अनुवाद प्रतियोगिता, हिन्दी शब्दों का व्यवस्थिकरण प्रतियोगिता आदि का आयोजन किया गया। इस समारोह में सभी कर्मचारियों ने हर्षोल्लास से भाग लिया। इस अवसर पर संस्थान के निदेशक डॉ.सि.कुञ्ञिकण्णन मुख्य अतिथि थे। इस कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए सर्वप्रथम राजभाषा कार्यान्वयन समिति के सदस्य श्रीमती के.शांति, मुख्य तकनीकी अधिकारी ने निदेशक एवं सभा में उपस्थित सभी अधिकारियों, वैज्ञानिकों एवं कर्मचारियों का हार्दिक स्वागत किया। इसके उपरान्त श्रीमती आर.जी.अनीता, तकनीकी अधिकारी ने सभी के समक्ष वर्ष 2023-24 की वार्षिक प्रगति रिपोर्ट पेश किया।

उसके बाद श्री संजीव खुगशल, अवर सचिव, भा.वा.अ.शि.प - वन आनुवंशिकी एवं वृक्ष प्रजनन संस्थान, कोयम्बत्तूर ने हिन्दी गीत सुनाकर सभी को प्रोत्साहित किया एवं कुछ अधिकारियों और कर्मचारियों ने अपने-अपने अनुभव द्वारा हिन्दी के महत्व पर प्रकाश डालते हुये कहा कि हिन्दी सरल भाषा है जिसे आसानी से सीखा जा सकता है। जहाँ चाह है वहाँ राह है। इसलिए सभी को हिन्दी सीखकर अपने दिन प्रति दिन के कार्यों में प्रयोग करना चाहिए।

संस्थान के निदेशक डॉ.सि.कुञ्ञिकण्णन महोदय जी ने प्रतियोगिताओं के विजेताओं को प्रमाणपत्र एवं पुरस्कार देकर उन्हें सम्मानित किया। हिन्दी पखवाड़े के दौरान हिन्दी टेलेंट शो (Talent show) आयोजित किया गया था जिसमें अनेक कर्मचारियों ने हिन्दी में अपनी प्रतिभा व्यक्त की। उन सभी को भी प्रमाणपत्र देकर प्रोत्साहित किया गया। पुरस्कार वितरण के बाद निदेशक जी ने अपने भाषण में संस्थान के द्वारा राजभाषा कार्यान्वयन में की गई प्रगति के लिए राजभाषा कार्यान्वयन समिति के सभी सदस्यों को बधाई दी और अपने अनुभव द्वारा जीवन में भाषा के महत्व को विस्तार से बताया। हिन्दी हमारी राजभाषा है इसलिए सभी को हिन्दी सीखने का प्रयास करना

चाहिए। प्रतियोगिताओं के विजेताओं को बधाईयाँ दी और कहा कि इसी तरह राजभाषा से संबन्धित विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लेकर उसके प्रचार-प्रसार में अपना योगदान देते रहे।

अंत में श्रीमती पूंगोदै कृष्णन, कनिष्ठ अनुवाद अधिकारी ने धन्यवाद प्रस्ताव किया और राष्ट्रीय गीत के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

हिन्दी पखवाड़ा समारोह की कुछ झलकियां